गाड़ियों को स्क्रैप करने के लिए फिटनेस को आधार बनाया जाए

हाल ही में दिल्ली सरकार ने गाड़ी की उम्र के आधार पर स्क्रैपेज पॉलिसी को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। इस चुनौती के कुछ आधार हैं, जिन्हें ध्यान में रखा जाना जरूरी है -

- दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय या डीटीयू का एक अध्ययन गाड़ी की उम्र और एमिशन या उत्सर्जन के बीच माने जाने वाले संबंध पर सवाल उठाता है। इसमें कहा गया है कि माइलेज एमिशन पर ज्यादा असर डालता है। कुछ वैश्विक शोध भी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं।

- गाड़ियों की कंडीशन को देखे बिना स्क्रैप किए जाने से वातावरण को बहुत नुकसान होता है, क्योंकि नई कारें बनाने में सामान और बहुत ऊर्जा खर्च होती है। स्टील और एल्युमीनियम तो रीसायकल हो सकता है, लेकिन प्लास्टिक को केवल डाउनसाइकिल किया जा सकता है।

यही कारण है कि दुनिया के अधिकांश देश गाड़ियों के रेगुलर फिटनेस टेस्ट को आधार बनाकर उसे सड़क से हटाते हैं। यही वैज्ञानिक आधार भी है।

'द टाइम्स ऑफ इंडिया' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 18 नवंबर 2025